समूह सत्र नं0– 1

महिलाओं के आवागमन पर नियंत्रण

उद्देश्य : सत्र के अन्त तक प्रतिभागी महिलाओं के आवागमन पर होने वाले नियंत्रण व उसके परिणाम को समझ पाएंगे।

पद्धति : गोला दौड़

समय : 60 मिनट

सामग्री : हाल या खेल का मैदान

गतितिधि चरण :–

1. प्रतिभागियों को एक बड़े गोले में खड़ा करें।
2. गोले में खड़े प्रतिभागियों को पहचान दे– महिला और पुरूष, तथा एक महिला उसके पीछे पुरूष फिर महिला उसके पीछे पुरूष फिर महिला उसके पीछे पुरूष ..... इसी क्रम में सभी प्रतिभागियों को खड़ा करना है।
3. खेल में जितने प्रतिभागी हैं उनसे एक कम गोला बड़े गोले के अन्दर बना दें जैसा कि नीचे चित्र में बनाया गया है। (अगर प्रतिभागी 10 से अधिक हैं तो दो गोले कम कर सकते हैं)
4. प्रतिभागियों को निर्देश दे कि पहली ताली बजाने के बाद सभी प्रतिभागियों को गोले के बाहर दौड़ना है तथा जैसे ही दूसरी ताली बजेगी वैसे ही छोटे गोलो के अन्दर खड़ा हो जाना है।
5. पहले चक्र में दौड़ने के बाद एक प्रतिभागी जिसे गोला नही मिलेगा वह थोड़ी देर के लिए खेल से अलग हो जायेगा। दूसरा चक्र शुरू करने के पहले पुनः एक छोटा गोला मिटा दे।
6. दूसरे चक्र का खेल शुरू करने से पहले महिलाओं के लिए निर्देश दें कि उन्हें दोनों हाथ ऊपर करके दौड़ना हैं। इसके बाद खेल शुरू करें।
7. दूसरे चक्र का खेल समाप्त होने पर एक प्रतिभागी खेल से बाहर हो जायेगा जिसके बाद पुनः खेल शुरू करने से पहले एक छोटा गोला मिटा दें।
8. तीसरे चक्र का खेल शुरू करने से पहले महिलाओं को एक पैर से दौड़ने का निर्देश दे, इसके बाद खेल शुरू करें।

9. तीसरे चक्र का खेल समाप्त होने पर एक प्रतिभागी खेल से बाहर हो जायेगा जिसके बाद पुनः एक छोटा गोला मिटा दें।
10. चौथे चक्र का खेल शुरू करने से पहले महिलाओं को एक हाथ ऊपर उठाकर तथा एक ही पैर से दौड़ने का निर्देश दें।
11. चौथे चक्र का खेल समाप्त होने पर पुनः एक प्रतिभागी खेल से बाहर हो जायेगा जिसके बाद एक छोटा गोला मिटा दें।
12. पांचवे चक्र का खेल शुरू करने से पहले महिलाओं को एक हाथ ऊपर तथा केवल आगे ही दौड़ने के लिए निर्देश दें जबकि पुरूषो को कहीं से भी गोले में खड़े होने के लिए कहें।

नोट – खेल में जब सारी महिलाएं बाहर हो जाये तो खेल बंद कर दें और खेल का विश्लेषण निम्न प्रश्नों के आधार पर कराएं –

1. क्या खेल निष्पक्ष था, यदि हां तो कैसे यदि नहीं तो क्यों?
2. इस खेल में हारने वाला पक्ष कौन था?
3. यह नियम किसने बनाए थे?
4. ऐसे खेल में जब भेद–भाव हो रहा था तो क्यों नहीं प्रश्न किया?
5. जो लोग हारे उन्हें कैसा महसूस हो रहा है?
6. क्या इस तरह का खेल हमारे समाज में चलता है/चल रहा है? किसके साथ चल रहा है?
7. इस तरह के नियत्रंण का महिलाओं के ऊपर क्या असर/प्रभाव पड़ता है?
8. इस खेल के लिए कौन जिम्मेदार है?
9. इस खेल के नियम को कौन बदलेगा?

सार– सत्र का सार बाधते हुए बताएं कि इस तरह का भेदभाव पूर्ण नियम समाज में बनाया जाता है और इसे इस तरह बना दिया जाता है कि यह एक सामान्य सी बात लगने लगती है। यदि इसे बदलना है तो ऐसे लोगों को भी जिम्मेदारी लेनी होगी जो इस तरह के व्यवस्था में ज्यादा फायदा लेते रहे हैं। खेल में हमने देखा कि किस तरह महिलाओं पर अलग अलग कारणों से प्रतिबंध लगाया जाता है। कभी इज्जत के नाम पर तो कभी सुरक्षा के नाम पर।

इस प्रकार यदि देखा जाय तो आवागमन पर प्रतिबंध मौकों (अवसरों) को कम कर देता है। यदि यहि प्रतिबंध पुरुषों पर भी लगा दिया जाय तो यह उनके मौकों को भी सीमित कर देगा। किसी के मौकों को कम करना मानव अधिकार के खिलाफ तथा गैर संवैधानिक भी

है। इसलिए महिला भेदभाव मुक्त समाज के निर्माण के लिए उनके साथ आवागमन पर नियंत्रण को रोकना होगा।

नोट : सत्र समापन के पूर्व समूह सदस्यों की प्रतिक्रियाएं जरूर लें तथा उनके द्वारा व्यक्त किये जाने वाले विचारों को नोट कर लें तथा जरूरत के आधार पर ही स्पष्टीकरण दें।

इसके बाद उपस्थित सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद देते हुए सत्र का समापन करें।